हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 155 | देहरादून, सोमवार, 11 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

श्रमिकों के साथ भोजन कर इस महत्वपूर्ण आयोजन में उनके योगदान को सराहा 3

मुख्यमंत्री ने किया विकास पुस्तिका सशक्त नेतृत्व, समृद्ध उत्तराखण्ड का विमोचन

राज्य स्थापना के इस कालखण्ड में स्थापित हुये विकास के नये प्रतिमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को एफ. आर. आई. में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'सशक्त नेतृत्व समृद्ध उत्तराखण्ड' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि विकास पुस्तिका राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, नीतियों को जन-जन तक पंहुचाने का माध्यम होती है। उन्होंने ऐसे प्रयासों की सराहना करते हुए सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग से अपेक्षा की कि सूचना तकनीकि के इस दौर में इस प्रकार की विकास पुस्तिकाओं को ई-बुक के रूप में भी प्रस्तुत किया जाय, ताकि लोग अपने मोबाइल एवं अन्य माध्यमों से भी जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें तथा योजनाओं से लाभान्वित हो सके।

उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाना हमारी प्रतिबद्धता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमारी सरकार उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य स्थापना के इन 23 वर्षों में पहली बार बहुत से काम हुए हैं। राज्य में पहली बार भर्तियों में घोटाले करने वालों पर कड़ी क़ानूनी कार्रवाई के लिए हमने नकल विरोधी कानून लागू किया है, धर्मांतरण रोकने के लिए कानून लागू किया गया है। उत्तराखंड में समान नागरिक आचार संहिता कानून लागू करने के लिए तैयारी की जा रही है। प्रदेश की महिलाओं के लिये 30 प्रतिशत के क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है, भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्यवाही हो रही है। राज्य में राजस्व पुलिस की जगह रेगुलर पुलिस की तैनाती की जा रही है। आपदा प्रबंधन पर विश्व स्तरीय कार्यक्रम उत्तराखंड में आयोजित किया गया है यही नहीं पहली बार उत्तराखंड, डेस्टिनेशन उत्तराखंड के रूप में निवेश का हब बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड का विकास एवं प्रगति हमारा लक्ष्य है अपने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ प्रदेश की सेवा में लगे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में आयोजित हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन की सफलता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा रही है। निवेशक सम्मेलन को सफल बनाने में निवेशकों, केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों ने भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर इस सम्मेलन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग एवं योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट में साढ़े तीन लाख करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, समिट में इंग्लैंड, आबूधाबी समेत अन्य देशों के साथ-साथ भारत के विभिन्न राज्यों के लोगों ने भी प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्तराखण्ड की अनंत संभावनाओं को तलाशने की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री ने 'डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड' को एक नये उत्तराखंड के निर्माण की शुरूआत बताया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इस शुरूआत को इसकी मंजिल तक पहुंचायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी माता, बहनें लखपति बन सकें इसके लिये लखपति दीदी योजना लायी गई। महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ अन्य लोगों द्वारा राज्य के पारम्परिक उत्पादों के विपणन की कारगर व्यवस्था हाउस ऑफ हिमालयाज ब्राण्ड से भी बेहतर ढंग से हो सकेगी तथा आर्थिकी को भी संबल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये मीडिया प्रतिनिधियों को धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया को सरकार और जनता के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि मीडिया सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों को जनता के

मध्य ले जाने का कार्य करती है, तथा जनहित के मुद्दों तथा आम लोगों की समस्याओं की ओर भी सरकार का ध्यान आकर्षित करती है। मुख्यमंत्री ने सिलक्यारा में मीडिया की सकारात्मक भूमिका की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने वैश्विक इंवेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के लिये भी सभी का धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया। सचिव सूचना श्री शैलेश बगौली ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत किया तथा महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान पांडवाज बैण्ड, प्रीतम भरतवाण एवं लोक कलाकारों ने उत्तराखंड की लोक संस्कृति की प्रस्तुति भी दी। सभी ने लोक कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना कर कलाकारों का उत्साहवर्द्धन किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, श्री प्रेमचंद अग्रवाल, विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान, श्री खजान दास, श्रीमती सविता कपूर, श्रीमती सरिता आर्य, श्री सुरेश गढ़िया, महानगर अध्यक्ष भाजपा श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, निवर्तमान मेयर श्री सुनील उनियाल गामा, साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती मधु भट्ट, सचिव मुख्यमंत्री श्री मीनाक्षी सुंदरम, डॉ पंकज कुमार पाण्डेय सहित सूचना विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नैनीताल : न्यू ईयर के लिए अभी से 80 फीसदी होटलों में एडवांस बुकिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 11 दिसंबर : उत्तराखंड में क्रिसमस और नए साल के जश्न की तैयारियां जोरों पर हैं। टूरिस्ट प्लेस मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार हैं। इस दौरान नैनीताल में भी पर्यटकों के बड़ी तादाद में पहुंचने की उम्मीद है। सैलानियों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। शहर के बड़े होटल 60 से 80 प्रतिशत अभी से बुक हो गए हैं।

क्रिसमस में भी 30 प्रतिशत से अधिक बुकिंग हो चुकी है। होटलों ने दो से तीन रात के पैकेज में मनोरंजन कार्यक्रम शामिल किए हैं। होटल संचालकों ने भी पर्यटकों के अनुभव को शानदार बनाने के लिए खास इंतजाम किए हैं। क्रिसमस को लेकर होटलों समेत नगर के ऐतिहासिक गिरजाघरों में कार्यक्रम अभी से शुरू हो चुके हैं। शेरवानी हिलटॉप एडवांस में बुक हो चुका है, जबकि नैनी रिट्रीट में 80, स्विस होटल 40 व विक्रम विंटेज में 50 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। इसके अलावा अन्य होटलों में भी कमरे बुक होने लगे हैं। क्रिसमस की छुट्टियों से शुरू होने वाला जश्न नए साल तक चलेगा। क्रिसमस पर भी लगभग 40 प्रतिशत कमरे बुक हो चुके हैं। नगर के बड़े होटलों में 30 दिसंबर से कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। थर्टी फर्स्ट के लिए अलग-अलग थीम पर होटल सज रहे हैं। दिल्ली, मुंबई समेत स्थानीय गायक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। गाला डिनर में पहाड़ी व्यंजनों के साथ स्वादिष्ट पकवान परोसे जाएंगे। कुछ होटलों में कुमाऊंनी लोकगीत व छोलिया नृत्य का आयोजन किया जाएगा। नए साल के मौके पर सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पूरे शहर को बिजली की लड़ियों से सजाया जाएगा। पर्यटकों के लिए होटल में मनोरंजक कार्यक्रम भी पेश किए जाएंगे।

इस गांव में कोई नहीं बना सकता है दो मंजिला घर, माना जाता है अशुभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : भारत में आज भी बड़ी आबादी गांवों में रहती है। इसकी वजह से ही कहा जाता है कि भारत गांवों का देश हैं। गांवों में आपको कई ऐसी कहानियां सुनने को मिल जाएंगी, जो आपको हैरान कर देंगी। हर गांव की अपनी मान्यता और संस्कृति होती है। एक ऐसा ही गांव पंजाब, हरियाणा की राजधानी और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पास स्थित है। मान्यता है कि इस गांव में कोई दो मंजिला मकान नहीं बना सकता है। मान्यता है कि अगर किसी व्यक्ति ने दो मंजिला घर का निर्माण कराया, तो उसके घर को नुकसान होगा। गांव में बने हर घर को नींव से उठाकर दीवारों के साथ छत तक निर्माण किया जाता है। गांव के लोगों के मुताबिक, छत के ऊपर किसी प्रकार का निर्माण करना पूरी तरह से मना है। इसकी वजह गांव में बना माता जयंती देवी का मंदिर बताया जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर पूरा तथ्य क्या है।

प्राचीन काल में बाबर के शासन के दौरान एक हिंदू राजपूत हथनौर का राजा था। इनमें से एक भाई की हिमाचल के कांगड़ा के राजा की बेटी से शादी हुई थी। कांगड़ा की राजकुमारी माता जयंती देवी की बहुत बड़ी भक्त थीं। वह हर दिन माता की पूजा और दर्शन के बाद ही जलपान करती थीं।राजकुमारी ने कहा कि माता मैं आपके बिना इतनी दूर कैसे रहूंगी। माता ने उसे आश्वासन दिया कि बेटी तुम्हारी डोली तभी उठेगी जब मेरी डोली तुम्हारे साथ उठेगी। शादी के बाद डोली नहीं उठ पाने की वजह से सभी चिंतित हो गए। इसके बाद राजकुमारी ने अपने पिता को सपने में माता द्वारा कही बातें बताईं। इसके बाद माता जयंती की डोली भी सजाई गई। हथनौर के राजा के साथ राजकुमारी और माता की डोली विदा हुई। राजा ने पुजारी को भी साथ भेज दिया।

अभी तक माता जयंती की पूजा उसी वंश के पुजारी करते आ रहे हैं। जब कुछ सालों के बाद राजा और रानी की मौत हो गई, तो उसके बाद अगली पीढ़ियों ने माता की पूजा बंद कर दी। उस दौरान मनीमाजरा के जंगलों में एक डाकू रहता था, जो माता जयंती देवी का बहुत बड़ा उपासक था। कहा जाता है कि माता ने डाकू को दर्शन दिए थे जिसके बाद उसने यहां पर माता के मंदिर का निर्माण कराया। जयंती नदी के किनारे माता की मूर्ति स्थापित की गई है। मंदिर के पुजारी के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि माता का मानना है कि देवी से ऊपर कोई नहीं जा सकता है। रानी के अगली पीढ़ियों ने माता की पूजा बंद कर दी, तो माता ने डाकू के सपने में

आकर निर्देश दिया कि वह इस रियासत को तबाह कर दे।

इसके बाद से ही माता के प्रकोप से बचने के लिए आज भी घरों के ऊपर दूसरी मंजिल नहीं बनाई जाती है। अगर कोई घर के ऊपर दूसरी मंजिल बनाने की कोशिश करता है, उसके साथ कोई अनहोनी हो जाती है। गांव के लोगों ने कई बार इकट्ठा होकर पूजा पाठ किया। इस दौरान माता से प्राथनी भी गई कि दूसरी मंजिल बनाने की अनुमति दें। गांव वालों ने इसके लिए हां और ना की पर्चियां डाली, लेकिन जब भी पर्ची उठाई गई तब उसके अंदर हमेशा ना ही निकला।

आखिर क्यों एक कोने से कटे होते हैं SIM Card

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : आज के समय में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा, जो मोबाइल का इस्तेमाल न करता हो. आज 5 साल का छोटा बच्चा हो या फिर 70 साल का बूढ़ा इंसान, आपको हर कोई मोबाइल फोन इस्तेमाल करता दिख जाएगा. इसके अलावा आज इंटरनेट इतना सस्ता हो गया है कि लोग घंटों तक अपने मोबाइल फोन में लगे रहते हैं. इसी कारण लोगों के स्क्रीन टाइम में भी इजाफा हो गया है. हालांकि, मोबाइल चलाने के लिए सबसे अहम चीज है उसमे लगने वाला सिम कार्ड. बिना सिम कार्ड के आपका फोन मात्र एक डिब्बे के बराबर है. इसलिए फोन का इस्तेमाल करने के लिए सिम कार्ड का होना अनिवार्य हैं. हालांकि, आपने अब तक कई कंपनियों के सिम कार्ड देखे होंगे, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया है कि आखिर सिम कार्ड एक कोने

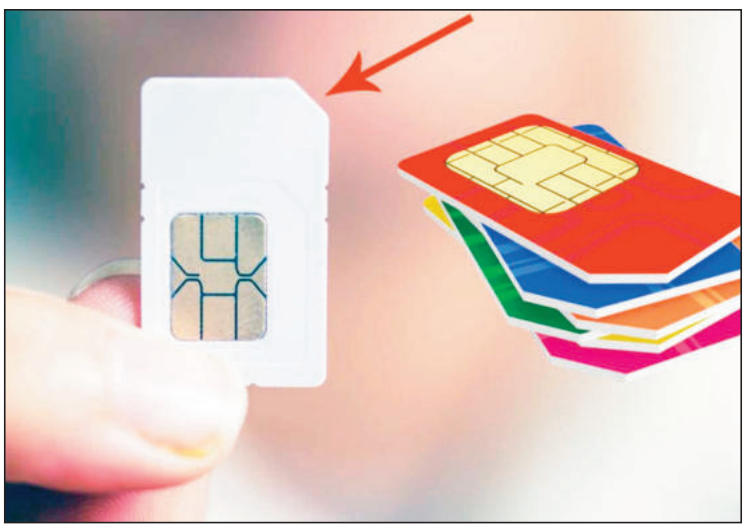

से क्यों कटा होता है या फिर उसके एक कोने पर कट किस कारण से लगाया जाता है? अगर नहीं, आइये आज हम आपको इसके पीछे की अहम वजह के बारे में बताते हैं।

ऐसा नहीं है कि केवल अपने देश भारत में ही सिम कार्ड साइड में से कटे होते हैं बल्कि दुनिया भर में इसी प्रकार के सिम कार्ड बेचे जाते हैं. आज के समय में पूरी दुनिया में कई तरह की टेलीकॉम कंपनियां हैं, जो भारी मात्रा में सिम कार्ड बनाती हैं. आपकी नॉलेज के लिए बता दें कि पहले यानी शुरुआती समय में जो सिम कार्ड बनाए जाते थे, वो साइड से कटे हुए नहीं होते थे. उनका डिजाइन बेहद नॉर्मल और आयत आकार)का हुआ करता था। ऐसे में लोगों को कई बार यह समझने में काफी दिक्कत होती थी की सिम का सीधा हिस्सा कौन सा है और उल्टा हिस्सा कौन सा है.

कुछ लोग तो सिम का सीधा और उल्टा हिस्सा न पहचान पाने की वजह से उसे अपने मोबाइल फोन में उल्टा ही लगा दिया करते थे. इसके बाद नेटवर्क न आने पर सिम को दोबारा निकालने में भी काफी परेशानी होती थी. यहां तक की कई बार सिम की चिप भी खराब हो जाती थी।

ऐसे में लोगों की इस परेशानी को दूर करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों ने सिम के आकार में बदलाव करने का निर्णय लिया. कंपनियों ने सिम कार्ड में बदलाव करते हुए उसे एक साइड को काट दिया. इस कट के लगने के बाद लोगों को मोबाइल फोन में सिम कार्ड डालने और निकालने में आसानी होने लगी क्योंकि मोबाइल फोन में भी सिम कार्ड के स्लॉट में वो कट दिखाया गया. ऐसे में अब कोई भी सिम कार्ड को आसानी से फोन में डाल सकता है. लोगों को मिलने वाली इस सुविधा को देखते हुए सभी टेलीकॉम कंपनियों ने सिम कार्ड को नए कट वाले डिजाइन के साथ बेचना शुरू कर दिया.

अगर आप भी अंडों को फ्रिज में रखते है, तो ये खबर आपके लिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : अक्सर हमने टीवी पर अंडे से संबंधित एक विज्ञापन देखा है कि, सन्डे हो या मंडे, रोज खाओ अंडे। लेकिन क्या आपको पता है कि आपको अंडे को कभी भी फ्रिज में नही रखना चाहिए। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा क्यों? आज हम इस लेख में आपको यही बताने का प्रयास करेंगे की आपको अंडों को फ्रिज में क्यों नहीं रखना चाहिए। अंडे एक प्राकृतिक खाद्य उत्पाद हैं और प्रोटीन और अन्य कार्बनिक यौगिकों से भरपूर होने के कारण इनके खराब होने की संभावना अधिक होती है। हालांकि, प्रकृति ने अंडों को प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान की है और वे वास्तव में हमारी कल्पना से कहीं अधिक मजबूत होते हैं।

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोगों के लिए अंडे दैनिक आहार का हिस्सा हैं। वास्तव में, हम जागरूक होने की तुलना में कई और तरीकों में अंडे का सेवन करते हैं। जबकि इस उच्च प्रोटीन भोजन के ताज़ा स्टॉक का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। यह अधिक महत्वपूर्ण है कि आप इसे सही तरीके से संग्रहित करें और इन कीमती खाद्य पदार्थ को बासी और खराब न होने दें। जैसा कि हमने बताया कि अंडे प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं। हम सभी हमेशा के लिए अपने रेफ्रिजरेटर में अंडे की ट्रे में अंडे जमा करते रहे हैं। हालांकि, एक नए अध्ययन के अनुसार, अंडे को फ्रिज में रखने से वे खाने के लिए स्वस्थ हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अंडे को कमरे के तापमान पर सबसे अच्छा संग्रहित किया जाता है। अंडे को बहुत ठंडे तापमान में, यानी फ्रिज में रखने से वे अखाद्य हो सकते हैं . कमरे के तापमान पर रखे गए अंडे रेफ्रिजरेट किए गए अंडे की तुलना में तेज़ी से नहीं सड़ते हैं। इसके अलावा, उनमें से कुछ अत्यधिक ठंडे तापमान में संग्रहीत करने के बाद बाहर निकालने पर खट्टे हो जाते हैं।

सभी बेकिंग व्यंजनों में कमरे के तापमान पर संग्रहीत अंडे का उपयोग करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि वे रेफ्रिजेरेटर की तुलना में बेहतर तरीके से फुलाते हैं। तो यदि आप अंडों को बेकिंग की प्रक्रिया में शामिल करते है, तो आपको अंडों को कमरे के तापमान पर रखना चाहिए। उन अंडों को रेफ्रिजरेट करने की आवश्यकता नहीं है जिनमें छल्ली बरकरार है, क्योंकि इसका मतलब है कि वे काफ़ी ताज़ा हैं। छल्ली एक अदृश्य परत होती है जो कि अंडों को ज़्यादा समय तक सुरक्षित रखने में मदद

करती है। अगर अंडों को धोए न या फिर गंदगी न आने दे तो ये परत बरकरार रहती हैं। तो अंडे खरीदते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। यह देखा गया है कि अंडों को ठंडे तापमान में रखने और फिर उन्हें कमरे के तापमान पर छोड़ने से संगठन हो सकता है, जिससे खोल पर बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिलता है जो संभवतः अंडे में भी मिल सकता है, जो उपभोग के लिए स्वस्थ हो सकता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को देर सायं प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव श्री एस. रामास्वामी के पुत्र के विवाह समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने श्री एस. रामास्वामी को शुभकामनाएं दी तथा नव दम्पति को शुभाशीष देकर उनके सफल जीवन की मंगलकामना की।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की व्यवस्थाओं से जुड़े श्रमिकों, पर्यावरण मित्रों को मुख्यमंत्री ने दिया धन्यवाद

श्रमिकों के साथ भोजन कर इस महत्वपूर्ण आयोजन में उनके योगदान को सराहा

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को एफ.आर.आई. में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित विकास पुस्तिका विमोचन के पश्चात पिछले एक सप्ताह से ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की व्यवस्थाओं से जुड़े श्रमिकों एवं पर्यावरण मित्रों के साथ भोजन कर उनके अथक परिश्रम की सराहना कर धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन की सफलता में हमारे श्रमिक भाइयों का विशेष योगदान रहा है, उनके श्रम की जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

उज्ज्वला योजना ने महिलाओं का जीवन बदला : विधायक श्री सहदेव सिंह पुंडीर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- क्लेमेंट टाउन और सेलाकुई में आयोजित हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम
- विधायक श्री विनोद चमोली और श्री सहदेव पुंडीर यात्रा में हुए शामिल
- मौके पर लोगों को दिया जा रहा योजनाओं का लाभ

देहरादून : विकसित भारत संकल्प यात्रा का क्रम देहरादून शहर के अलग-अलग स्थानों पर जारी है।रविवार को क्लेमेंट टाउन और सेलाकुई गढ़ी कैंट में यात्रा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में बाल विकास, ग्रामीण, कृषि, स्वास्थ्य आदि विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें। संकल्प यात्रा के दौरान लोगों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को मानीनय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया।

क्लेमेंट टाउन और सेलाकुई में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम में योजनाओं से वंचित कई लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। क्लेमेंट टाउन में आयोजित यात्रा कार्यक्रम में विधायक श्री विनोद चमोली यात्रा में हुए शामिल। उन्होंने लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई। इस दौरान उन्होंने लोगों से ज़्यादा से ज़्यादा विकसित भारत संकल्प यात्रा से जुड़ने का आह्वान भी किया। सेलाकुई में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री सहदेव सिंह पुंडीर ने प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को विकसित भारत शपथ भी दिलाई। अपने संबोधन में श्री पुंडीर ने विकसित भारत संकल्प यात्रा चलाना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कई ऐतिहासिक निर्णय लिये गये जिससे देश विकसित होने की राह पर है। उन्होंने उज्ज्वला योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि इस योजना ने देश की महिलाओं का जीवन बदल कर रख दिया है। आज गांव की महिलाएँ को धुएँ से छुटकारा उज्ज्वला योजना से मिला है जिससे वह अब बीमार नहीं पड़ती हैं। दोनों स्थानों पर आयोजित मुफ़्त चिकित्सा शिविर में कई लोगों का परिक्षण किया गया और महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जोड़ा गया। इसके अलावा बाल विकास परियोजना, आयुष्मान योजना, पीएम स्वनिधि योजना आदि से कई लोगों को जोड़ा गयासे जोड़ा गया। यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का कट आउट विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस कट आउट के साथ लोग यादगार के तौर पर तस्वीर भी ले रहे हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में लोगों को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से युक्त बुकलेट भी वितरित की जा रही हैं।

उत्तराखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री और उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के सफल आयोजन के सूत्रधार आदरणीय श्री पुष्कर सिंह धामी जी के सानिध्य में इन्वेस्टर समिट के समापन समारोह के लिए देहरादून आगमन पर माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री आदरणीय श्री अमित शाह जी का स्वागत किया।

उत्तराखंड : इन जिलों में कोहरा बढ़ाएगा मुश्किलें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 11 दिसंबर : उत्तराखंड के ज्यादातर इलाकों में मौसम साफ है, लेकिन ठंडी हवाएं ठिठुरन बढ़ा रही हैं। पिछले दिनों उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में खूब बारिश और बर्फबारी हुई, जिसका असर अब तक महसूस किया जा रहा है। पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग ने मौसम को लेकर अपडेट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में कोहरा छा सकता है। प्रदेश के अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।राजधानी देहरादून में भी लोगों को सुबह और शाम के वक्त कोहरे का सामना करना पड़ सकता है। इन दिनों प्रदेशभर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोग ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं, लेकिन बचाव के सारे जतन नाकाफी साबित हो रहे हैं। मैदानी क्षेत्रों में कोहरा लगने से विजिबिलिटी कम हो गई है। जिससे वाहन सुबह और शाम के समय लाइट जलाकर चल रहे हैं। विजिबिलिटी कम होने से वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हरिद्वार और

ऊधमसिंह नगर जैसे मैदानी क्षेत्रों में कोहरा मुश्किलें बढ़ाएगा। बात करें पहाड़ी इलाकों की तो यहां उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी होने से निचले इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शाम होने से पहले ही बाजारों में सन्नाटा पसर जाता है। मौसम आमतौर पर साफ रहेगा। अगर आप इन दिनों मैदानी क्षेत्रों की यात्रा पर निकल रहे हैं तो वाहन की रफ्तार पर नियंत्रण रखें। मैदानी इलाकों में विजिबिलिटी कम है, ऐसे में वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

चेयरमैन मदरसा बोर्ड मुफ्ती शमून क़ासमी जी ने देहरादून में एक मदरसे का निरीक्षण किया शिक्षा गुणवत्ता का जायेज़ा लिया और सरकार की योजनाओं से अवगत कराया

इसरो के बड़े मिशन श्रीहरिकोटा से ही क्यों लॉन्च किए जाते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : इसरो द्वारा लॉन्च किए गए सभी उपग्रह चाहे वह मार्स ऑर्बिटर मिशन हो या चंद्रयान-3 और आदित्य एल-1। यह सफल मिशन है जिसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंजाम दिया गया। अब आपके मन में ये सवाल आ रहे होंगे कि आखिर श्रीहरिकोटा ऐसी कौन सी जगह है जहां से इसरो सारे सैटेलाइट लॉन्च करता है. तो चलिए आज हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष केंद्र की स्थापना के लिए श्रीहरिकोटा को चुनने के पीछे दो मुख्य कारण थे। इसका एक कारण यह है कि श्रीहरिकोटा भारत के पूर्वी भाग में स्थित है। यहां से पूर्व दिशा का स्थान अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर तेजी से घूमती है। फिर इस गति का फायदा उठाकर रॉकेट श्रीहरिकोटा से आगे पूर्व की ओर बढ़ सकता है।दरअसल, श्रीहरिकोटा आंध्र प्रदेश में एक द्वीप है जो भारत का लॉन्चिंग स्टेशन है, 1971 के बाद से इसरो द्वारा किए गए सभी प्रमुख मिशन इसी लॉन्चिंग पैड से लॉन्च किए गए हैं। आंध्र प्रदेश के तट पर स्थित इस द्वीप को भारत का प्राथमिक अंतरिक्ष बंदरगाह भी कहा जाता है। यह श्रीहरिकोटा सुलूर पेटा डिवीजन में है जो भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। SHAR की स्थापना यहां 1971 में की गई थी। और 5 सितंबर 2002 को इसरो के पूर्व अध्यक्ष सतीश धवन के सम्मान में SHAR का नाम सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र रखा गया।

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा में स्थित है, जहां से इसरो सभी मिशन लॉन्च करता है, यह स्थान भूमध्य रेखा के पास है। पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाने वाले सभी अंतरिक्ष यान या उपग्रह भूमध्य रेखा के पास से अंतःक्षेपित किये जाते हैं। इसीलिए श्रीहरिकोटा से रॉकेट लॉन्च करने से मिशन की सफलता दर बढ़ जाती है और मिशन की लागत भी कम हो जाती है।आइए अब जानते हैं कि कौन थे सतीश धवन जिनके नाम पर इस स्टेशन का नाम रखा गया।

सतीश धवन का जन्म श्रीनगर में हुआ था। वह भारत के प्रसिद्ध रॉकेट वैज्ञानिक थे। उन्हें प्रायोगिक द्रव गति अनुसंधान का जनक कहा जाता है। उनके कार्यकाल के दौरान देश ने अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। उनकी कड़ी मेहनत के तहत इसरो ने दूरसंचार उपग्रह, भारतीय रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट, पीएसएलवी - ध्रुवीय उपग्रह वाहन जैसे विभिन्न उपग्रहों का निर्माण किया।अंतरिक्ष अभियान शुरू करने के लिए अंतरिक्ष बंदरगाह ऐसी जगह पर बनाया जाता है जो भीड़ और लोगों की आवाजाही से दूर हो। श्री हरिकोटा इसके लिए बिल्कुल उपयुक्त है। यह आंध्र प्रदेश से जुड़ा एक द्वीप है जिसके दोनों तरफ समुद्र है। ऐसे में यहां से लॉन्च के बाद रॉकेट के अवशेष सीधे समुद्र में गिरते हैं. अगर मिशन को

कोई खतरा हो तो इसे समुद्र की ओर मोड़कर जानमाल के नुकसान से बचा जा सकता है.अंतरिक्ष मिशन लॉन्च करने के लिए श्रीहरिकोटा को चुनने का कारण मौसम भी है। दरअसल, एक द्वीप होने के नाते यहां का मौसम आमतौर पर एक जैसा ही रहता है। बरसात के मौसम को छोड़कर लगभग दस महीने तक यहां का मौसम शुष्क रहता है। इसीलिए इसरो श्रीहरिकोटा को ज्यादा तरजीह देता है।

मुरादाबाद : पसमांदा मुस्लिम समाज ने भरी हुंकार, 2024 में मोदी को समर्थन का ऐलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुरादाबाद 11 दिसंबर : ग्राम रानी नागल मुरादाबाद में अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच द्वारा आयोजित पसमांदा मुस्लिम सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अल्पसंख्यक मोर्चे के पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष व अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने कहा कि कि केंद्र मे मोदी जी की सरकार के शानदार 9 वर्ष उपलब्धियों भरे 9 वर्ष, इन 9 वर्षों ने इस देश की तस्वीर बदलने का काम किया है।

पीएम मोदी ने 9 वर्षों में देश की तस्वीर बदलने का काम किया

2014 से पहले देश मे अराजकता का माहौल था आय दिन दंगे होते थे, डर का माहौल था भय का माहौल था। लेकिन 2014 मे मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी मे हिम्मत नहीं है कोई दंगा कर दे या आतंकी घटना को अंजाम दे दे। उत्तर प्रदेश मे 2017 से पहले जंगलराज था 2017 के बाद योगी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब कानून का राज है। उत्तर प्रदेश जैसी कानून व्यवस्था कहीं नही है गुंडे अब खुद गले मे तख्ती डालकर थाने मे जाकर आत्मसमर्पण कर रहे हैं। प्रदेश मे अब सुकून का और अमन चैन का माहौल है। मोदी जी की सरकार के शानदार 9 वर्षों मे अल्पसंख्यक समाज का तीव्र गति के साथ विकास हुआ है।

■ उत्तर प्रदेश मे 2017 से पहले जंगलराज था

मोदी जी ने किसी धर्म देखकर योजनाओं का लाभ नहीं दिया बल्कि उसी गरीबी देखकर योजनाओं का लाभ दिया है। इस मौके पर मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सग़ीर प्रधान ने कहा कि मोदी जी ने सबका साथ सबका विकास नारे को स्पष्ट किया है, मोदी योगी सरकार में पसमांदा मुसलमानो को सामाजिक, राजनितिक व आर्थिक लाभ पहुँचा है, मंच के प्रदेश अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश सरकार में मदरसा बोर्ड के सदस्य इमरान अहमद ने कहा कि मोदी सरकार में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वाश का नारा चरितार्थ हुआ है, उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को जिताने व मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की अपील की, इस मौके पर पसमांदा मुस्लिम समाज ने 2024 लोकसभा चुनाव me मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए हुंकार भरी, कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के महामंत्री रईस चौधरी ने किया। इस मौके पर शारिक जिया, नईम कस्सर, आमिर सलीम, मतलूब बेग, अशरफ प्रधान, प्रमुख भाई गुलाम रब्बानी, जुबेर अहमद ने भी सम्बोधित किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा ली मासिक अपराध गोष्ठी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी, 11 दिसंबर : कैम्प कार्यालय लक्ष्मणझूला में माह नवम्बर की मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदया पौड़ी श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा सर्वप्रथम सभी अधिकारियों एवम कर्मचारियों को डीजीपी महोदय की प्राथमिकताओं से अवगत कराते हुए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये गये।

एसएसपी ने समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थानों में नियुक्त अधीनस्थ कर्मचारियों की प्रत्येक माह मीटिंग लेकर उनके कार्यों की समीक्षा करने तथा उनकी व्यक्तिगत/पारिवारिक समस्याओं को सुनते हुए उनका त्वरित समाधान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही समस्त थाना प्रभारियों व बीट कांस्टेबल को आमजन के साथ बेहतर समन्वय बनाये रखने, बीट क्षेत्र में निवासरत बुजुर्गों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने तथा बेसिक पुलिसिंग के तहत कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

मासिक अपराध गोष्ठी

☞ सर्वप्रथम महोदया द्वारा श्रीमान डीजीपी महोदय द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में समस्त थाना प्रभारियों को IFMS पोर्टल पर सभी को तुरन्त ACR अपडेट करने की सख्त हिदायत देते हुये लापरवाही बरतने वाले अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

☞ थाना स्तर पर शिकायतकर्ताओं द्वारा की जाने वाली को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्र रिसीव कर उन पर त्वरित कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

☞ जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी अपने अधीनस्थ थानों/ में चल रहे निर्माण कार्यों/पेंडिंग विवेचनाओं को समाप्त करने हेतु व्यक्तिगत रूप से प्रयास करेंगे।

☞ जनपद के सभी कोतवाली/थानों में संसाधन जैसे वाहन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और आर्म्स एम्युनेशन के उच्चीकरण व सुदृढ़ीकरण के लिए शीघ्र अतिशीघ्र प्रस्ताव दिए जाएं।

☞ आगामी क्रिसमस एवं नव वर्ष के दृष्टिगत पर्यटन नगरी लैन्सडाउन लक्ष्मणझूला तथा पौड़ी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत पर्यटकों की भीड़ बढ़ती है अतः इन थाना क्षेत्र में पड़ने वाले रिसोर्ट मालिकों से गोष्ठी कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

☞ जनपद के कोटद्वार क्षेत्रान्तर्गत दुगड्डा, कौड़िया, थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्रान्तर्गत गरुड़ चट्टी बैरियर, श्रीनगर क्षेत्रान्तर्गत पौड़ी चुंगी, कलियासौड़ के अतिरिक्त समस्त थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत पड़ने वाले बैरियरों पर ऐल्कोमीटर के साथ शराब पीकर वाहन चलाने वालों, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों, हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध सघन चैकिंग अभियान चलाकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

☞ ठंड़ लगातार बढ़ रही है जिस कारण रात्रि में गृह भेदन व चोरी की घटना बढने की आशंका अधिक रहती है जिसके लिए समस्त थाना प्रभारियों को रात्रि में गश्त व पिकेट बढ़ाने के साथ-साथ प्रभावी चैकिंग करने के भी निर्देश दिये गये।

☞ सीएम हेल्पलाइन-1905 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की समीक्षा की गयी तो सीएम हेल्पलाइन-1905 पर कुल 386 शिकायते प्राप्त हुये जिसमें से 350 शिकायतों का निस्तारण किया गया शेष शिकायतों का त्वरित निस्तारण करते हेतु समस्त थाना प्रभारियों निर्देशित किया गया।

☞ समस्त थाना प्रभारियों को ऑनलाईन पोर्टल IRAD पर सड़क दुर्घटनाओं से सम्बन्धित डाटा का समय पर अद्यतन करने हेतु निर्देशित किया गया।

☞ मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, पुलिस शिकायत प्राधिकरण, शासन, पुलिस मुख्यालय एवं रेंज स्तर से प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों में मुख्यतः कोतवाली कोटद्वार में 44 एवं कोतवाली पौड़ी में 22 शिकायती प्रार्थना पत्र लम्बित है। सम्बन्धित थाना प्रभारियों को लम्बित शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण* करने हेतु निर्देशित किया गयाl

☞ समस्त थाना प्रभारियों को रैश ड्राइविंग करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु कहा गया है। साथ ही रैश ड्राइविंग, शराब पीकर वाहन चलाने एवं ओवर लोडिंग करने वालों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

☞ जनपद में आबकारी अधिनियम के तहत वर्ष 2023 में 93 अभियोग एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत 46 अभियोग पंजीकृत किये गये। जिन थाना प्रभारियों द्वारा एनडीपीएस व आबकारी अधिनियम में अच्छा कार्य किया है उन्हें शाबासी दी गयी व जिनके द्वारा अपेक्षाकृत अच्छा कार्य नही किया गया है उन थाना/चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अवैध मादक पदार्थो व अवैध शराब/कच्ची शराब/नकली शराब, बनाने/बेचने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु कड़े निर्देश दिया गये।

उक्त समीक्षा गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार श्रीमती जया बलोनी, अपर पुलिस अधीक्षक संचार श्री अनूप काला, क्षेत्राधिकारी सदर पौड़ी श्री श्याम दत्त नौटियाल व समस्त थाना एवं शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

तेजवानी नारी शक्ति सम्मान : विभिन्न क्षेत्रें में अहम योगदान देने वाली 40 महिलाएं हुई सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर,10 दिसंबर। तेजस्विनी बिजनेस एसोसिएशन एंड चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा तेजस्विनी नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि माया ग्रुप आफ कालेज की एमडी तृप्ति जुयाल सेमवाल और समाजसेवी रूपा शर्मा व नगरपालिका विकासनगर अध्यक्षा शांति जुवांठा ने शिरकत की। इस मौके पर फाउंडर तेजस्वानी प्रिया गुलाटी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कामकाजी और प्ररेणा स्रोत महिलाओं के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और अतिथियों के तौर पर मौजूद महिलाओं के साथ ही कार्यक्रम में शिरकत करने वाली नारी शक्ति ने अपने जीवन में आए उतार चढ़ाव के साथ ही अपने संघर्ष की कहानी को बयां किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रें में अहम योगदान देने वाली प्ररेणा स्रोत 40 महिलाओं को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह और पौधे देकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए मुख्य अतिथि तृप्ति जुयाल ने जहां कार्यक्रम आयोजकों की इस पहल की सराहना की तो वहीं उन्होंने नारी शक्ति से भी अपने अपने क्षेत्रें के आगे आने का आ"वान किया। वहीं ट्रस्ट की संचालिका दीपा चावला ने बताया कि ट्रस्ट का मकसद महिलाओं को आत्मनिर्भर तो बनाना ही है, साथ ही आत्मनिर्भर महिलाओं को प्रोत्साहित करना भी है। ताकि वह अपने प्रयासों को और बेहतर कर सके, जिससे उनका आना वाला कल भी संवर सके। कार्यक्रम में सेपियंस स्कूल की प्रधानाचार्या रश्मि गोयल, डा-मीना जैन, सुमन भारद्वाज, ममता अग्रवाल, प्रिया गुलाटी, दीपाली चावला, सविता, ममता रानी, दीपा चावला , सोनिया आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार : SSP ने 136 पुलिसकर्मियों की सैलरी रोकी, यह कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 11 दिसंबर : उत्तराखंड में लापरवाह अफसर तो नप ही रहे थे, अब काम में कोताही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई होने लगी है। मामला हरिद्वार का है, जहां एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस के कुछ कर्मचारियों-अधिकारियों की सैलरी रोक दी है। 136 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों का इस माह का वेतन रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पुलिसकर्मियों की एसीआर (वार्षिक चरित्र मंतव्य) ऑनलाइन भरने में हुई लापरवाही के चलते हुई है। जिससे पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया है।

दरअसल उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों की सुविधा के लिए एसीआर के वार्षिक मंतव्य को ऑनलाइन भरने की सुविधा शुरू की थी। एसएसपी ने वर्ष 2022 के वार्षिक मंतव्य को अपडेट करने निर्देश दिए थे। कई बार अल्टीमेटम भी दिए गए, लेकिन इसके बावजूद 136 पुलिसकर्मियों ने एसीआर को गंभीरता से नहीं लिया।

अब SSP Pramendra Dobhal ने अधीनस्थों की लापरवाही पर कार्रवाई करते हुए उनका इस माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्हें चेताया है कि एसीआर ऑनलाइन न भरे जाने तक वेतन जारी नहीं होगा। कार्रवाई के बाद भी अगर कोई एसीआर नहीं भरता है, तब उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी की ओर से की गई इस कार्रवाई से जिले के पुलिसकर्मियों में हड़कंप मचा है। वो आनन फानन में एसीआर को भरने में जुट गए हैं, ताकि सैलरी (137 policemen salary Haridwar) समय पर मिल सके।

टार्गेट पूरा नहीं किया, तो कंपनी ने कर्मचारियों को खिलाएं कच्चे करेले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : किसी भी काम को लोगों से कराने के लिए रिवॉर्ड एंड पनिशमेंट पॉलिसी अपनाई जाती है. अगर काम वक्त पर अच्छी तरह से हो गया तो इनाम दिया जाता है और अगर काम नहीं हो पाए तो इसके लिए सज़ा भी दी जाती है. स्कूलों में सज़ा थोड़ी ज्यादा सख्त होती है लेकिन बड़े होने पर किसी को शारीरिक सज़ा नहीं दी जाती है. हालांकि अगर कॉर्पोरेट सेक्टर में सज़ाओं की बात की जाए तो चीन में ऐसा खूब होता है. यहां लोगों को अच्छी तरह से परफॉर्म न करने पर सज़ाएं देने के अजीबोगरीब मामले और वीडियो सामने आ चुके हैं. कभी उन्हें एक-दूसरे से थप्पड़ मरवाया जाता है तो कई बार कुत्तों की तरह पट्टा बांधकर चलने के भी मामले सामने आ चुके हैं. एक बार फिर से एक ऐसा ही मामला सुर्खियों में है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के जियांगसू प्रांत से ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां एजुकेशन एंड ट्रेनिंग कंपनी की ओर से दर्जनों कर्मचारियों को कच्चे करेले खाने को मजबूर किया गया. सज़ा के तौर पर कर्मचारी कड़वे कच्चे करेले को खाते हुए कुछ वीडियो में दिखाई दिए. कंपनी की ओर से इसे रिवॉर्ड एंड पनिशमेंट स्कीम करार दिया गया है और बताया गया कि कर्मचारियों ने इस पर सहमति दी थी. कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि लोग दर्द से बचना चाहते हैं. कड़वे करेले कोई खाना नहीं चाहता, ऐसे में वे अगली बार कड़ा परिश्रम करेंगे. सोशल मीडिया पर लोग ये खबर सुनकर दंग हैं. उन्होंने कर्मचारियों का पक्ष लिया और कहा कि इससे अच्छा है कि वे उन्हें नौकरी से निकाल ही दें. बहुत से लोगों ने अपनी सज़ाओं का ज़िक्र भी किया, जो मिर्ची, काली मिर्च खिलाने और टॉयलेट वॉटर पिलाने तक पहुंच जाती हैं.

नैनीताल की माल रोड में भूस्खलन ये बड़े खतरे की आहट तो नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 11 दिसंबर : सरोवर नगरी नैनीताल बीती सुबह यहां माल रोड के पास हुए भूस्खलन ने हर किसी को सिहरा दिया। यहां ग्रांड होटल के पास अपर माल रोड भरभराकर रेलिंग सहित लोअर माल रोड में जा गिरी। अचानक हुई इस घटना से लोग बुरी तरह डर गए। गनीमत रही कि उस वक्त रोड खाली थी, जिससे हादसा टल गया। अब डीएम ने मामले का संज्ञान लेते हुए यहां लोनिवि से ट्रीटमेंट शुरू करा दिया है। जिस जगह भूस्खलन हुआ है।

वहां माल रोड में अक्सर सीवर लाइन ओवर फ्लो रहती है। यही नहीं अपर माल रोड उस स्थान पर धंसी भी थी। भूस्खलन के बाद रेलिंग टेड़ी हो गई थी। राहगीरों ने टूटे हिस्से की फोटो सोशल मीडिया पर डाली थी।

जिसके बाद डीएम वंदना ने मामले का तुरंत संज्ञान लिया और लोनिवि को ट्रीटमेंट करने के निर्देश दिए। डीएम के आदेश के बाद लोक निर्माण विभाग ने मजदूरों की मदद से दीवार बनाना आरंभ कर दिया है। लोअर व अपर माल रोड यातायात के लिये सुचारू बनी हुई है। यहां पर वाहनों की आवाजाही हो रही है। हालांकि स्थानीय लोग भूस्खलन की घटना को लेकर अब भी दहशत में हैं। उन्होंने कहा कि शुक्र है कि घटना के वक्त रोड खाली थी, अगर यह घटना दिन में हुई होती तो किसी के साथ हादसा हो सकता था।

नींद में बोलने का अध्यात्म से क्या है कनेक्शन, इस आदत से कैसे पाएं छुटकारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : कई लोगों को नींद में बोलने या बड़बड़ाने की आदत होती है। नींद में बोलने का संबंध आपके अवचेतन मन में चल रही बहुत सी बातों से होता है। नींद में बोलने की इस आदत के कुछ धार्मिक कारण भी हैं। जो आपके निजी जीवन के बारे में भी बताते हैं। नींद में बोलने की स्थिति आपके निजी जीवन को दर्शाती है। यह प्रेम, डर और भावनाओं को दबाने जैसी बात से भी जुड़ा है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार, नींद में बोलना इस बात को दर्शाता है कि आप अपने जीवन में जहां फंसे हुए हैं वहां से अब आगे निकलने का समय आ गया है।

भविष्य में आपको इस स्थिति से बाहर निकलने का बहुत ही अच्छा अवसर मिलने जा रहा है। नींद में अगर आप अपने पूर्वजों से बात करते हैं तो वह आपको

समस्याओं का सही हल भी बता सकते हैं। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक ये आदत व्यक्ति के दिमाग में चल रहे तनाव को दर्शाती है। यह समस्या उन लोगों को ज्यादा परेशान करती है जो पहले से ही किसी मानसिक समस्या का सामना कर रहे हैं। नींद में ज्यादातर व्यक्ति ऐसी बातें बोलता है जो उसने अपने मन के भीतर दबाकर रखी हैं। इस आदत से छुटकारा पाने के लिए अपने मन में छिपी बातों को किसी-न-किसी से कहने का प्रयास करें। अगर संभव हो तो अपनी दबी इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करें। इन उपायों से आपको काफी हद तक नींद में बोलने की समस्या से राहत मिलेगी।

दून पुलिस के चक्रव्यूह में फंसा ई- रिक्शा चोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 दिसंबर : पुलिस टीम द्वारा लगातार घटनास्थल के आस पास व घटनास्थल पर आने व घटना के बाद जाने वाले लगभग 78 सी0सी0टी0वी0 कैमरो को चैक किया गया। जिसमें एक ई रिक्शा घटनास्थल से गलियों से होता हुआ वाणी विहार पहुचा। जिसकी आगे की लाइट जली नही हुई थी। वाणी विहार में cctv कैमरे नही होने पर ई रिक्शा कहा खड़ा हुआ जानकारी नही मिली। वाणी विहार से आने व जाने वाले अन्य रास्तो ओर लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से 4 घण्टे पस्चात वही ई रिक्शा बिना लाइट जलाये रिंग रोड से होते हुए हरिद्वार से नगीना तक dikhai दिया । नागिन में एक स्थान के बाद कैमरे नही होने पर ई रिक्शा की अन्य जानकारी नही मिली। पुलिस टीम द्वारा वाणी विहार जिस स्थान पर रात्रि में ई-रिक्शा रुका था उस स्थान के आस 28 परिवारों का सत्यापन किया गया। जिस पर वाणी विहार में उक्त में एक ई रिक्शा मैकेनिक होने की जानकारी मिली। उक्त मैकेनिक की जानकारी कर उसके मोबाइल फोन मकई cdr का अवलोकन किया गया व सीसीटीवी फुटेज में मिली फ़ोटो से मिलान करने और ukt व्यक्ति का हुलिया मैकेनिक में मेल खाता पाया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा ई-रिक्शा मैकेनिक आसिफ पुत्र अनीश अहमद निवासी धामपुर नगीना चौक थाना धामपुर जिला बीजनौर

उ0प्र0 उम्र 35 वर्ष , हाल निवासी जैन प्लॉट वाणी विहार रायपुर को अथक प्रयासों के बाद चोरी किए गये ई रिक्शा नम्बर-UK07ER3823 के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसने अपने जुर्म कबूल किया गया। जिसे आज मा0 न्यायालय पेश किया गया। मा0 न्यायालय द्वारा अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

अभियुक्त आसिफ द्वारा बताया गया कि वह ई रिक्शा का मैकेनिक है और पिछले 5-6 वर्षों से जैन प्लॉट वाणी विहार थाना रायपुर जनपद देहरादून में रह रहा है। वह पुराने ई रिक्शा की खरीद फरोख्त भी करता है। दिनांक 02.12. 2023 को उसके द्वारा यह ई-रिक्शा चुना भट्टे के पास खड़ा देखा गया । जिसमें कोई ड्राइवर नहीं था । ई रिक्शा को खड़ा देख उसके मन में लालच आ गया। लालच में उसने ई-रिक्शा नम्बर-UK07ER3823 को चुरा लिया। जिसको उसने द्वारा रात्रि में अपनी दुकान में छुपा के रखा गया और ई रिक्शा को चार्ज किया गया। चुराए हुए ई रिक्शा को लेकर अगले दिन दिनांक 03.12.2023 की सुबह 6:00 बजे मैं डोईवाला के रास्ते नगीना बिजनौर उत्तर प्रदेश पहुंचा । जहां पर उसने यह ई रिक्शा छुपा के रखा था । जिसको बेचने के लिए मैं किसी ग्राहक को ढूंढ रहा था । ई रिक्शा के काम में तंगी के चलते काफी कर्ज हो गया था । मकान का किराया, बिजली का बिल, राशन का बिल, बच्चों की फीस देनी थी। जिसके चलते उसने चोरी को अंजाम दिया।

हर माता -पिता को अपने बच्चों को ये 5 जीवन कौशल सिखाने चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 दिसंबर : अपने बेटों को भविष्य के लिए तैयार करें, अपने बच्चे को घरेलू कर्तव्यों में शामिल करना और उन्हें जीवन कौशल सिखाना उनकी स्वतंत्रता, जवाबदेही और सहयोग की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

सफाई -अपने बेटे को धूल झाड़ने, झाड़ लगाने, वैक्यूम करने और पोछा लगाने की बुनियादी बातें सिखाएं। ये जिम्मेदारियाँ रहने की जगह को साफ-सुथरा और आरामदायक रखने में मदद करती हैं।

बर्तन साफ करना - छात्रों को डिशवॉशर और हाथ धोने के बर्तनों के उचित उपयोग के बारे में निर्देश दें। इस बात पर ज़ोर दें कि रसोई को साफ-सुथरा रखना कितना जरूरी है -कपड़े धोना - उसे कपड़े मोड़ना, धोना और छांटना सिखाएं। वॉशिंग मशीन को कैसे संचालित करें, सही डिटर्जेंट का चयन करें और कपड़े धोने की देखभाल के लेबल को समझने के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करें।

खाना बनाना : अपने बेटे को खाना पकाने की बुनियादी बातें सिखाएं। आसान व्यंजनों से शुरुआत करें और अधिक जटिल व्यंजनों की ओर बढ़ें। खाना पकाने में सक्षम होना एक उपयोगी जीवन कौशल है जो स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करता है।

घर की मरम्मत : बुनियादी घरेलू मरम्मत कौशल का परिचय दें, जैसे टपकते नल को ठीक करना, प्रकाश बल्ब बदलना, या सरल उपकरणों का उपयोग करना। ये कौशल आत्मनिर्भरता और संसाधन शीलता को बढ़ावा देते हैं।

संपादकीय

काला धन और सांसद

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़े ठिकानों से करीब 400 करोड़ रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं और अभी यह सिलसिला जारी है। धीरज का परिवार देसी शराब का बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा होटल, रियल एस्टेट, परिवहन और मछली आदि क्षेत्रों में भी वह व्यापार करता है, लेकिन उनके 30 से अधिक ठिकानों से, अलमारियों में ठूंसे गए, नोटों के बंडल मिले हैं, तो यकीनन वह 'काला धन' है, बेहिसाबी और बेईमानी का पैसा है। इस 'काले धन' का स्रोत क्या है? इतने धन-संग्रह का सच क्या है? क्या इस 'काले पैसे' से कुछ और लोग भी जुड़े हैं? क्या किसी और का 'अवैध धन' धीरज साहू ने छिपा कर रखा था? ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता का ढोल बजाने वाले आज खामोश क्यों हैं? इन सवालों के जवाब देश के सामने सार्वजनिक होंगे अथवा नहीं, उसे लेकर हम निश्चित नहीं हैं, क्योंकि ऐसे कई छापों में करोड़ों रुपए का नकदी बेनकाब, बेपर्दा हुआ है, लेकिन उन्हें उचित कानूनी दंड दिया गया हो, यह हमें याद नहीं है। किसी राजनेता और सांसद के अपने ही ठिकानों से, आयकर विभाग के एक ही ऑपरेशन में, इतना 'काला धन' बरामद करने का यह अभूतपूर्व मामला जरूर है। इतना संवेदनशील मामला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने नोटों के बंडलों वाली, अखबार में छपी, तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है और देश को भरोसा दिलाया है कि जनता का जो पैसा लूटा गया है, उसकी पाई-पाई लौटाना पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।' बहरहाल 6 दिसंबर से छापेमारी का जो सिलसिला शुरू किया गया था, वह रविवार तक भी जारी था और 400 करोड़ रुपए के करीब का नकदी बरामद और जब्त किया जा चुका था। कुछ सांसदों का अनुमान है कि जब सभी बैंक खाते और लॉकर आदि खंगाल लिए जाएंगे, तो बेहिसाब का यह धन 1000 या 2000 करोड़ रुपए तक भी पहुंच सकता है। कंपनी के एक मैनेजर बंटी साहू के बोलांगीर (ओडिशा) वाले ठिकानों से नकदी के 20 बैग अलग से बरामद किए गए हैं। उनमें भी 100 करोड़ रुपए बताए गए हैं। नोटों के पहाड़ से लबालब 176 बैग पकड़े गए थे, जिनमें से 100 बैगों की गिनती की जा चुकी है। भारतीय स्टेट बैंक की बोलांगीर शाखा के 40-50 कर्मचारी मशीनों के जरिए नोटों की गिनती कर रहे हैं। मशीनें खराब भी हो रही हैं, लिहाजा उनकी मरम्मत करने वाले विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है। चूंकि छापों में आयकर विभाग ने, विभिन्न ठिकानों से, कंप्यूटर, लैपटॉप और डिजीटल उपकरण भी अपनी गिरफ्त में लिए थे, लिहाजा उनकी सम्यक जांच और उन्हें पढने के लिए हैदराबाद से आईटी के 20 विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है। कंपनी से जुड़े लोग कितने लंबे सालों से इन 'काली करतूतों' में लिप्त थे, इसका अभी खुलासा होना है, लेकिन जो शख्स सांसद के तौर पर सार्वजनिक जीवन में रहा है और जिसने संविधान और शुचिता की शपथ ली थी, अब उसका अंजाम क्या होगा? विडंबना है कि फिलहाल सांसद को 'आरोपित' माना जाता रहेगा और उसकी सांसदी बरकरार रहेगी। सांसद के तौर पर धीरज साहू कई संसदीय समितियों से जुड़ा है। खासकर ऊर्जा, नवीकरण ऊर्जा, कोयला, खदान, इस्पात आदि की सलाहकार समितियों का भी सदस्य है। ये अति महत्त्वपूर्ण समितियां हैं, जो सरकार की नीतियों की समीक्षा करती हैं और सुझाव भी देती हैं। 2018 में धीरज तीसरी बार राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। तब उन्होंने चुनाव आयोग में हलफनामा देकर अपनी सालाना आय करीब एक करोड़ रुपए घोषित की थी। चार निजी वाहन भी बताए थे। करीब 26.16 लाख रुपए मूल्य के डायमंड जेवरात भी घोषित किए थे और पत्नी के 94.5 लाख रुपए मूल्य के सोने के जेवरात का खुलासा भी किया था। ऐसे व्यक्ति को झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल में कई ठिकानों में ठूंस-ठूंस कर नकदी पैसा भरने की जरूरत क्या थी? जाहिर है कि कुछ तो 'काला' जरूर है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा नेता श्री चमन लाल वाल्मीकि के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। रविवार को सायं मुख्यमंत्री ने कालीदास मार्ग स्थित स्व. चमनलाल वाल्मीकि के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों से भेंट कर सांत्वना प्रदान की।

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम डकैती प्रकरण में पुलिस को मिली एक और सफलता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम डकैती प्रकरण में पुलिस द्वारा अब तक 08 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उक्त प्रकरण में वांछित चल रहे अभियुक्तो की तलाश हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार गैर प्रान्तों में दबिशें दी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के माध्यम से प्राप्त गोपनीय जानकारी के आधार पर डकैती की योजना में शामिल एक और अभियुक्त चंदन कुमार उर्फ सुजीत पुत्र राम प्रसाद पासवान निवासी ग्राम मिर्जापुर, थाना अहियापुर, जिला मुजफ्फरपुर बिहार, उम्र 19 वर्ष को प्रेम नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त चंदन उर्फ सुजीत द्वारा ही डकैती की घटना के लिए प्रिंस व अन्य अभियुक्तों को घटना में प्रयुक्त वाहन उपलब्ध कराए गए थे। डकैती प्रकरण में पूर्व गिरफ्तार अभियुक्त अकबर से पूछताछ में अभियुक्त चंदन उर्फ सुजीत का नाम प्रकाश में आया था।पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उसके परिचित जलील सुभानी उर्फ कॉम्बो ने उसे लूट की घटना को अंजाम देने की योजना के बारे में बताया तथा उसके लिए एक कार तथा दो मोटरसाइकिलो की व्यवस्था करने को कहा था, जिस पर अभियुक्त द्वारा अपने परिचित अकबर को गाड़ियों की व्यवस्था करने को कहा गया। अकबर ने अपने साथी सुमित के साथ मिलकर आगरा से अर्टिगा कार तथा हरियाणा से 02 अपाचे मोटरसाइकिलो को चोरी किया गया था। 01 अपाचे मोटरसाइकिल को अभियुक्त चंदन द्वारा अकबर के

माध्यम से दिनाँक 31 अक्टूबर को सहारनपुर में राहुल और अविनाश को, अर्टिगा कार को 6 नवंबर को बिजनौर में विक्रम उर्फ पायलट को तथा एक अन्य अपाचे मोटरसाइकिल को खुद अभियुक्त चंदन द्वारा अकबर के साथ जाकर 7 नवंबर को देहरादून आईएसबीटी में प्रिंस व अभिषेक को दिया गया था। अभियुक्त चंदन कुमार द्वारा बताया गया कि घटना से पूर्व माह सितंबर में वह भी प्रिंस, अखिलेश उर्फ अभिषेक तथा उनके अन्य साथियों के साथ करीब 10 दिनों तक सेलाकुई में किराए के कमरे में रहा था, आज भी अभियुक्त जलील उर्फ कॉम्बो के कहने पर अपनी पहचान छुपाते हुए जेल में बंद अपने अन्य साथियों से मिलने के लिए देहरादून आया था।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्तचंदन कुमार उर्फ सुजीत पुत्र राम प्रसाद पासवान निवासी ग्राम मिर्जापुर, थाना अहियापुर, जिला मुजफ्फरपुर बिहार, उम्र 19 वर्ष इन्वेस्टर सम्मिट के दृष्टिगत देहरादून शहर में हटाए गए थे अस्थाई अतिक्रमण और यातायात व्यवस्था हुई थी बेहतर*

एसएसपी देहरादून ने सभी थाना प्रभारियों और चौकी इंचार्ज को जारी किया निर्देशअगर किसी थाना चौकी छेत्र में अस्थाई अतिक्रमण सड़क किनारे हुआ जैसे खोखा, ठेली आदि तो होगी सख्त कार्यवाही माननीय मुख्यमंत्री जी की अपेक्षा के क्रम में सभी सर्किल ऑफिसर, थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए है, साथ ही संबंधित विभागों से भी समन्वय बनाकर अस्थाई अतिक्रमण पर प्रभावी कार्यवाही करेः एसएसपी देहरादून

- डकैती की योजना में शामिल एक और अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार
- अभियुक्त द्वारा ही घटना के लिए वाहनों की कि गई थी व्यवस्था
- पूर्व में डकैती प्रकरण में गिरफ्तार अभियुक्त अकबर से पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त का नाम आया था प्रकाश में
- घटना से पूर्व प्रिंस तथा अभिषेक के साथ सेलाकुई में किराए के कमरे में भी रुका था गिरफ्तार अभियुक्त
- बिहार के डकैती गैंग में जो घटना में शामिल या मददगार था,सभी का डेस्टिनेशन पॉइंट सिद्धोवाला होगा: एसएसपी देहरादून

इन्वेस्टर्स समिट में ईको-टूरिज्म : जड़ी-बूटियों तथा संगंध पौधों के उत्पादन व संग्रहण के साथ ही प्रसंस्करण जैसे वनाधारित परियोजनाओं की संभावनाओं पर हुई चर्चा

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,9 दिसंबर । उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण और विपुल वन संपदा वाले उत्तराखंड राज्य में इकोनॉमी और इकोलॉजी का बेहतर समन्वय व संतुलन कायम रखते हुए वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। समिट के दौरान इस सिलसिले में आयोजित विशेष सत्र में कहा गया कि वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख जरिया बनने की पूरी सामर्थ्य रखते हैं। जलवायु परिवर्तन व कार्बन उत्सर्जन की वैश्विक चुनौतियों को नियंत्रित करने में भी यह सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। लिहाजा राज्य में वन सेक्टर में होने वाला पूंजी निवेश देश और दुनिया के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

वन प्रमुख (हॉफ) अनूप मलिक ने बहुत गहराई से निवेशकों को आकर्षित किया, अनूप मलिक के प्रस्तुतिकरण से साफ़ झलका अनुभव

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के वन एवं इसस जुड़े सेक्टर्स पर निवेश की संभावनाओं पर परिचर्चा के लिए आयोजित सत्र की अध्यक्षता करते हुए राज्य के वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड का 71 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित है। यहां पर 11230 वन पंचायतें हैं जिनसे 20 लाख लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि वनों के संरक्षण व संवर्द्धन तथा इससे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों में स्थानीय जन-समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित कर वनों से स्थानीय लोगों के परंपरागत लगाव व जुड़ाव को कायम रखने पर सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। वन सेक्टर्स से संबंधित निवेश में भी पारिस्थितिक संतुलन और स्थानीय लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इन्डस्ट्रियल फ्रेंडली वातावरण के साथ ही इकोनॉमी और इकोलॉजी में समन्वय बनाते हुए कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर सरकार का विशेष ध्यान है। वन मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में ईको-टूरिज्म, जड़ी-बूटियों तथा संगंध पौधों के उत्पादन व संग्रहण के साथ ही प्रसंस्करण जैसे वनाधारित परियोजनाओं की व्यापक संभावनाएं हैं। जिसके लिए कई निवेशक आगे आए हैं। योग, वेलनेस टूरिज्म, आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में भी निवेशकों ने काफी रूचि दिखाई है। राज्य में तीन लाख करोड़ से अधिक के पूंजी निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में किया जाने वाला निवेश पूरी तरह सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाला साबित होगा। सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी। श्री उनियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित किए जाने के आह्वान ने राज्य के आर्थिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार दुनिया के सामने खोल कर रख दिए हैं। जिससे जल्द ही सार्थक परिणाम सामने आएंगे और उत्तराखंड दुनिया में डेस्टीनेशन वेडिंग के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरेगा। उन्होनें कहा उद्योग जगत से अपने सीएसआर फंड का उपयोग वनों के संरक्षण में करने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके जरिए मानवता की बड़ी सेवा की जा सकती है।

कार्यक्रम में उत्तराखंड के प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु ने वन व इसे जुड़े क्षेत्रों में निवेषन की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कुदरत ने उत्तराखंड को समुद्र के अलावा अन्य तमाम प्राकृतिक संसाधनों से सजाया-संवारा है। इस प्राकृतिक संपदा का राज्य के विकास और राज्यवासियों के कल्याण के लिए बेहतर इस्तेमाल करने के साथ ही देश व दुनिया के पर्यावारणीय सुरक्षा के हित में सदुपयोग करने के लिए उद्योग जगत व निवेशकों के द्वारा की जाने वाली हर एक सार्थक पहल का राज्य सरकार हर पल स्वागत करने को तत्पर है। उद्योग जगत इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ेगा तो सरकार चार कदम आगे बढाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में रहना व निवेश करना प्राकृतिक व आर्थिक दृष्टिकोण से निश्चित तौर पर सुकून भरा सिद्ध होगा।

कार्यक्रम में उत्तराखंड वन विभाग के प्रमुख (हॉफ) अनूप मलिक तथा पीसीसीएफ समीर सिन्हा ने निवेशकों का स्वागत और आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उद्योग जगत से श्री श्री तत्व के सीईओ तेज कटपिटिया ने समुदाय के स्वामित्व वाले वनों में औषधीय पादपों के उत्पादन हेतु निवेश के बारे में विचार रखे। पूर्व आईएफएस एवं एफएससी के कंट्री डायरेक्टर सुरेश गैरोला ने फॉरेस्ट सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में रिन्यू पावर के सीनियर मैनेजर अनूप जकारिया और टेरी के एसोसिएट फैलो वरूण ग्रोवर ने कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर और सेंचुरी पल्प एंड पेपर्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डा. ए.पी. पाण्डे ने प्रकाष्ठ आधारित उद्योगों में उत्तराखण्ड के ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के तौर पर स्थिति के बारे में विचार रखे।

इन्वेस्टर्स समिट के एक्ज़ीबिशन एरिया में रविवार की बड़ी संख्या में पहुँचे स्कूली छात्रों और आम जनता

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सोमवार को भी खुला रहेगा उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट" के आयोजन स्थल पर "एग्जीबिशन एरिया"

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में FRI स्थित "उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट" के आयोजन स्थल पर "एग्जीबिशन एरिया" रविवार को स्कूली छात्रों और आम जनता के लिए खुला रहा। यह स्थल सोमवार 11 दिसंबर को भी स्कूली छात्रों और आम जानता के लिए खुला रहेगा। रविवार को बड़ी संख्या में FRI पहुँचे छात्र-छात्राओं और आम जनता को विभिन्न स्टाल्स का भ्रमण कर उत्तराखण्ड के दो दशक की विकास यात्रा को क़रीब से जानने का अवसर प्राप्त हुआ। स्टाल्स पर जहां एक ओर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन, एरोमा पार्क, प्लास्टिक पार्क, फ़ूड पार्क, वेलनेस पार्क, टिहरी डैम समेत विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई है, वहीं उत्तराखण्ड के पारंपरिक उत्पादों, हस्तकला, हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी लगाई गई है।